Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 09 October 2024

Dainik Jagran Page - 02, 05

कालेजों को आंतरिक मूल्यांकन का अधिकार

बैठक में लिया गया निर्णय, 80 प्रतिशत से अधिक अंक देने पर बताना होगा कारण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपने सभी विभागों और कालेजों को बीकाम व बीए के अधिकांश विषयों में प्रैक्टिकल, मौखिक परीक्षा और प्रोजेक्ट वर्क के आंतरिक मूल्यांकन का अधिकार दे दिया है। उन्हें अपने स्तर से मूल्यांकन करना होगा और विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि पर वेबसाइट पर अंक को अपलोड करना होगा। विभागों व कालेजों पर निगरानी के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ गाइडलाइन भी तय की है, जिसका पूरी प्रतिबद्धता के साथ उन्हें पालन करना होगा।

मंगलवार को हुई परीक्षा समिति की बैठक में इस महत्वपूर्ण निर्णय पर मुहर लगा दी गई। 10 अक्टूबर को होने वाली कार्य परिषद की बैठक में इस निर्णय अंतिम स्वीकृति के लिए रखा जाएगा।

बीए के इन विषयों पर नहीं लागू होगा निर्णय

बीए के सभी विषयों में विश्वविद्यालय का यह निर्णय लागू नहीं होगा।

मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, रक्षा अध्ययन, भूगोल और सांख्यिकी विषय की प्रैक्टिकल परीक्षाएं पूर्व के नियमों के अनुसार ही आयोजित होंगी। प्रैक्टिकल की प्रमुखता होने के चलते इन विषयों को इस निर्णय से अलग किया गया है। इन विषयों की प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय की ओर से वाह्य परीक्षक भेजे जाएंगे।

परीक्षा व्यवस्था को विकेंद्रीकृत करने के लिए कालेजों को प्रैक्टिकल व मौखिक परीक्षा और प्रोजेक्ट वर्क में आंतरिक मूल्यांकन का अधिकार दिया गया है। इससे परीक्षा कार्य समय से पूरा हो सकेगा। परिणाम भी समय से जारी करने में आसानी होगी। कालेज इस अधिकार का दुरुपयोग न करें और परीक्षा की शुचिता भी बने, इसके लिए एक पुख्ता निगरानी व्यवस्था भी बनाई गई है। परीक्षा की गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर।

इस नए निर्णय को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय ने निगरानी के क्रम में जो गाइड लाइन जारी की है, उसके मुताबिक कालेज या विभाग किसी विद्यार्थी को 80 प्रतिशत से अधिक अंक देते हैं, तो उन्हें इसका कारण बताना होगा। यह साबित करना होगा कि 80 प्रतिशत अंक पाने वाला विद्यार्थी उसकी योग्यता रखता है। 80 प्रतिशत से अधिक अंक देने के लिए परीक्षक को कापी पर विभागाध्यक्ष या कालेज प्राचार्य की काउंटर साइन लेनी होगी। साथ ही दो ऐसा जिओ टैग फोटो अंकतालिका के साथ लगाना होगा, जिसमें सभी विद्यार्थी शामिल हों और हर विद्यार्थी की तस्वीर स्पष्ट हो।

आंतरिक मूल्यांकन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा किए प्रोजेक्ट वर्क की कापी कालेजों को विश्वविद्यालय में जमा करनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का यह निर्णय वित्तपोषित व स्व-वित्तपोषित सभी कालेजों पर लागू होगा।

प्रो. शांतनु रस्तोगी बने गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने अपने विशेषाधिकार से भौतिक विज्ञान विभाग के आचार्य और विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. शांतनु रस्तोगी को प्रति कुलपति बनाया है। प्रो. शांतनु ने इस नए पद का कार्यभार मंगलवार को दोपहर बाद ग्रहण कर लिया। मंगलवार को उन्होंने कुलसचिव का कार्यभार शासन द्वारा नियुक्त नए कुलसचिव हरीओम शर्मा को सौंप दिया।

- नए कुलसचिव हरिओम शर्मा को कार्यभार सौंप संभाला नया पद
- विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता भी हैं प्रो. शांतनु रस्तोगी

प्रो. शांतनु आइआइटी कानपुर से 1988 में भौतिक विज्ञान में एमएससी पूरा करने के बाद उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1993 में पीएचडी की और बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर यहीं तैनात हो गए। 1998 में उन्होंने बतौर एसोसिएट प्रोफेसर गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में नियुक्ति पाई। उनकी एस्ट्रो फिजिक्स में है। बड़ी संख्या में उनके शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हैं। नया पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि वह कुलपति की उम्मीद पर खरा उतरने की हरसंभव कोशिश करेंगे। प्रति कुलपति के पद से विश्वविद्यालय को अकादमिक रूप से और समृद्ध करने का प्रयास करेंगे।

12 तक भरें विषम सेमेस्टर का परीक्षा फार्म

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में विषम सेमेस्टर के लिए परीक्षा फार्म भरने की तिथि विस्तारित कर दी है। अब 12 अक्टूबर तक भरा सकता है। यह आदेश प्रथम सेमेस्टर के लिए नहीं है। इसे लेकर जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षा फार्म में माइनर और वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन करना आवश्यक है।

विना विलंब शुल्क 20 तक फार्म जमा करने का अवसर

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित वित्तपोषित व स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश व पंजीकरण जमा करने जमा करने की तिथि विश्वविद्यालय प्रशासन ने बढ़ा दी है। अब कालेज बिना विलंब शुल्क के 20 अक्टूबर तक फार्म जमा कर सकते हैं। पहले यह तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित थी। 21 अक्टूबर को 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ फार्म जमा करने का अवसर दिया जाएगा।

Hindustan Page - 03, 06, 07

प्रो. शांतनु रस्तोगी बने डीडीयू के प्रति कुलपति

नियुक्ति

दो विवि में कुलसचिव ने संभाला पदभार

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अपर मंडल आयुक्त हरिओम शर्मा ने मंगलवार को कुलसचिव का कार्यभार ग्रहण कर लिया। वहीं मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा ने भी मंगलवार को ही कुलसचिव का कार्यभार ग्रहण किया।

दोनों ही विश्वविद्यालयों में वरिष्ठ शिक्षक कुलसचिव के पद पर तैनात थे। डीडीयू में भौतिकी के प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी करीब 13 महीने से कार्यभार संभाल रहे थे। वहीं एमएमएमयूटी में अप्रैल 2022 से आईटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जय प्रकाश यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। एमएमएमयूटी में स्थापना के बाद पहली बार शासन से कुलसचिव की नियुक्ति हुई है।

पढ़ाने वाले शिक्षक ही लेंगे मौखिक परीक्षा

डीडीयू

- कला और वाणिज्य की मौखिक परीक्षा में बाहरी परीक्षक की भूमिका खत्म
- डीडीयू में परीक्षा समिति की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों के कला संकाय (नॉन प्रैक्टिकल) और वाणिज्य के स्नातक के विद्यार्थियों के लिए अहम खबर है। अब इन विषयों की मौखिकी, प्रायोगिक और प्रोजेक्ट कार्यों के मूल्यांकन से बाहरी परीक्षकों की भूमिका खत्म कर दी गई है। अब सम्बंधित संस्थान में विषय पढ़ाने वाले शिक्षक ही इसका अंक देंगे। ये भी 80 प्रतिशत से अधिक अंक नहीं दे पाएंगे। अस्सी से अधिक अंक देने पर उन्हें आख्या एवं परीक्षा की वीडियो रिकॉर्डिंग देनी होगी।

डीडीयू में मंगलवार को परीक्षा समिति की बैठक में इस निर्णय को मंजूरी दे दी गई। परीक्षा समिति के निर्णय के मुताबिक अब स्नातक में कला संकाय के छह विषयों को छोड़कर कला के सभी विषयों में आंतरिक परीक्षक ही अब सभी सेमेस्टर में मौखिक, प्रायोगिक और प्रोजेक्ट वर्क की परीक्षाएं लेंगे। विद्यार्थियों के अंतिम सेमेस्टर के मौखिकी एवं प्रोजेक्ट की उत्तरपुस्तिकाएं वार्षिक उत्तरपुस्तिकाओं के साथ विश्वविद्यालय में जमा करने होंगी। ताकि किसी भी आपत्ति के संज्ञान में आने पर उसका निस्तारण डीडीयू प्रशासन अपने स्तर से कर सके।

प्रवेश और पंजीकरण की तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ी

गोरखपुर। डीडीयू एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ा दी गई है। यह जानकारी कुलसचिव ने दी है।

Inext Page - 04

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में स्वयंसेवकों ने लोगों को किया जागरूक

अंग्रेजी विभाग में आयोजित हुई कविता लेखन प्रतियोगिता

तीन दर्जन से अधिक प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

Amar Ujala Page - 07, 10

कला, वाणिज्य की मौखिक परीक्षाओं में बाहरी परीक्षक की भूमिका खत्म

गोरखपुर विश्वविद्यालय : परीक्षा समिति की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

80 प्रतिशत से अधिक अंक देने पर देनी होगी आख्या

डीडीयू : अंग्रेजी विभाग में स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

डीडीयू व एमएमएमयूटी में कुलसचिव ने संभाला पदभार

Amar Ujala - Deoria Edition

ज्ञानवर्धन के लिए ई-लाइब्रेरी की स्थापना जरूरी : कुलपति

Aaj

तक्षशिला ई लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन, ई-कंटेंट के क्षेत्र में पूरी दुनिया कैद है मुट्ठी में - पूनम टण्डन

Hindustan Deoria edition

शिक्षण संस्थान की आत्मा होती है लाइब्रेरी

Danik Jagran Deoria Edition

ई-कंटेंट के क्षेत्र में मुट्ठी में कैद है पूरी दुनिया : प्रो. पूनम टंडन

Rashtriya Sahara Page - 07, 09

डीडीयू के प्रति कुलपति बने प्रो. शांतनु रस्तोगी

अब कला व वाणिज्य की मौखिक परीक्षाओं में बाहरी परीक्षक नहीं होंगे नियुक्त

परीक्षा फार्म भरने की तिथि 12 तक बढ़ायी गयी

गोरखपुर(एसएनबी)। विवि एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली सत्र 2024-25 के अन्तर्गत स्नातक एवं परास्नातक तथा डिप्लोमा सहित समस्त प्रोग्राम के विषम सेमेस्टर की संस्थागत एवं बैक के अर्ह छात्रों की परीक्षाएं नवम्बर माह में प्रस्तावित हैं, उक्त परीक्षा के लिए प्रथम सेमेस्टर छोड़कर आनलाईन परीक्षा फार्म में वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन करते हुऐ परीक्षाफार्म पूरित किये जाने के लिए 12 अक्टूबर तक डेट विस्तारित कर दी गयी है। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक ने कहा है कि विश्वविद्यालय परिसर के छात्र वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन स्वयं करेंगे जबकि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय के अर्ह छात्रों को सम्बन्धित महाविद्यालयों के लॉगिन पासवर्ड द्वारा भरा जायेगा।

छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा दर्शायी

स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता

गोरखपुर(एसएनबी)। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में मंगलवार को 'व्हिस्पर्स ऑफ द म्यूज' स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें स्नातकोत्तर छात्रों की रचनात्मक प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर हिंदी तथा अंग्रेजी में अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं, जो उनकी गहरी भावनाओं और अनुभवों को दर्शाती हैं।

अंग्रेजी विभाग में हुआ स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता

Nirbhik India

परीक्षा फार्म का डेट बढ़ा

निर्भीक इंडिया

गोरखपुर, संवाददाता- विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली सत्र 2024-25 के अन्तर्गत स्नातक एवं परास्नातक तथा डिप्लोमा सहित समस्त प्रोग्राम के विषम सेमेस्टर की संस्थागत / बैक के अर्ह छात्रों की परीक्षाएं नवम्बर माह में प्रस्तावित हैं, उक्त परीक्षा हेतु प्रथम सेमेस्टर छोड़कर आनलाईन परीक्षा फार्म में वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन करते हुए परीक्षाफार्म पूरित किये जाने हेतु दिनांक 12/10/2024 तक विस्तारित की जाती है।

विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों एवं सम्बन्धित महाविद्यालय को निर्देशित किया जाता है कि परीक्षा फार्म में माइनर एवं वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का चयन समयान्तर्गत पूरित करना सुनिश्चित करें।

विश्वविद्यालय परिसर हेतु वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन छात्रों को स्वयं करना होगा तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय के अर्ह छात्रों को सम्बन्धित महाविद्यालयों के Login Password द्वारा पूरित किया जायेगा।

Swatantra Chetna Page - 05

गोविवि में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना तथा कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर यातायात पुलिस मनोज कुमार राय तथा मुख्य वक्ता के रूप में सब इंस्पेक्टर यातायात पुलिस रामवृक्ष यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नव युवको द्वारा वाहन चलाने में की जा रही लापरवाहियों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं प्राकृतिक संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा द्वारा की गई। अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर यातायात पुलिस मनोज कुमार राय द्वारा विद्यार्थियों को हेलमेट के सही उपयोग तथा चौराहे एवं तिराहे पर सतर्कतापूर्वक वाहन चलाने के लिए जागरूक किया गया। इसके पश्चात रामवृक्ष यादव सबइंस्पेक्टर यातायात पुलिस ने नींद तथा थकान की स्थिति में वाहन को न चलने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के समापन में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की संयोजक, कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान की सहायक आचार्य डॉ नूपुर सिंह थी कइस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक एवं कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Super Fast Times

/पीलीभीत) बुधवार 09 अक्टूबर 2024 5

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत लोगों को किया जागरूक

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरीक्षक यातायात पुलिस मनोज कुमार राय रहे और मुख्य वक्ता के रूप में उपनिरीक्षक यातायात पुलिस श रामवृक्ष यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को वाहन चलाते समय उनके द्वारा की जा रही लापरवाही के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने की। अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ० सत्यपाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निरीक्षक यातायात पुलिस मनोज कुमार राय ने छात्र-छात्राओं को हेलमेट के सही प्रयोग एवं चौराहों व तिराहों पर सावधानी पूर्वक वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया। इसके बाद उपनिरीक्षक यातायात पुलिस रामवृक्ष यादव ने छात्र-छात्राओं को नींद आने या थकान होने पर वाहन न चलाने की सलाह दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को यातायात पुलिस द्वारा उनकी सुरक्षा हेतु दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों और लाइटों का पालन कर जिम्मेदार नागरिक बनने और दूसरों को भी इनका पालन करवाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम की संयोजक कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान की सहायक प्रोफेसर डॉ० नूपुर सिंह रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक सुपर फास्ट टाइम्स (कुशीनगर/गोरखपुर/गोण्डा

अंग्रेजी विभाग में स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

-तीन दर्जन से अधिक प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग में मंगलवार को व्हिस्पर्स ऑफ द म्यूज स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर छात्रों ने विभिन्न विषयों पर हिंदी व अंग्रेजी में अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। आइए घूम लीजिए, ऐतिहासिक मिट्टी को माथे पर लगाकर होठों से चूम लीजिए नामक कविता का पाठ थर्ड सेमेस्टर की पूजा राय ने किया। एमए तृतीय सेमेस्टर की विद्यार्थी श्वेता उपाध्याय ने अनसीन स्टार का वाचन किया। जाह्नवी सिंह ने काव्याग्नि, आनंद सिंह ने एक रोटी, रितिका वर्मा ने सवाल है, सुधांश राय, आयुषी राव, सुनील कुमार, अफान राशिद, कुशाग्र मिश्रा, विपिन यादव, शिवानी पटवा आदि ने अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की। इसके अलावा एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अंजू उपाध्याय ने प्रेम की भाषाएं, अनुष्का राय ने एक और निर्भया नहीं चाहिए, रेशु ने वो बचपन की स्माइल लौटा दो सहित नेहा गुप्ता, हबीबा, प्रांजलि मिश्रा, नीलाक्षी तिवारी, निहारिका, प्राची चौधरी, सुरभि, सुकृति सिंह, अंजलि वर्मा, स्वाति गहलोत, रेखा तिवारी आदि ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं। डीडीयू के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार की साहित्यिक प्रतियोगिताएं हमारे छात्रों को न केवल अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें अपने सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभवों को कविता के माध्यम से व्यक्त करने में भी मदद करती हैं। प्रतियोगिता का संचालन प्रकृति पटेल और श्वेता उपाध्याय ने किया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों को साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतियोगिता के जूरी सदस्यों में विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला के अतिरिक्त डॉ. आमोद राय, डॉ. पंकज कुमार सिंह व डॉ. बृजेश कुमार शामिल रहे।